gramodayachitrakoot.ac.in

ग्रामोदय संदेश

■ शनिवार, 29 जुलाई, 2023 ■ वर्ष 22 ■ अंक 01 ■ पेज 4 ■ मूल्य : नि:शुल्क ■ वेबसाइट पर देखें ई-न्यूज लेटर

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 की तीसरी वर्षगांठ आज

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी भारतीय शिक्षा समागम का करेंगे उद्घाटन

महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय की गतिविधियां समागम में होंगी प्रदर्शित

प्रो. (डॉ.) भरत मिश्रा

चित्रकूट। भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 29 जुलाई 2023 यानि शनिवार को नई दिल्ली में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 की तीसरी वर्षगांठ पर अखिल भारतीय शिक्षा समागम का उद्घाटन करेंगे। 200 स्टॉलों के साथ मल्टीमीडिया प्रदर्शनियां समारोह का हिस्सा होंगी, जो शिक्षा और कौशल से जुड़ी शीर्ष पहलों को प्रदर्शित करेंगी। इस समागम में स्कूलों से लेकर टॉप रिसर्च इंस्टीट्यूट्स तक शिक्षा क्षेत्र के विभिन्न हितधारकों की भागीदारी हो रही है। यह गौरव का विषय है कि मध्य प्रदेश के महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय को भी इस गौरवशाली समागम में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया है। कुलपति प्रो. (डॉ.) भरत मिश्रा के नेतृत्व में एक टीम नई दिल्ली पहुंच चुकी है। इस समागम में 16 विषयों पर सत्र आयोजित किए जाएंगे, समारोह में लगभग 3000 प्रतिभागी और दो लाख से अधिक लोग उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम का आयोजन शिक्षा मंत्रालय और कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय द्वारा किया जा रहा है। यहां प्रधानमंत्री विभिन्न गतिविधियों की शुरुआत करेंगे। समागम, शिक्षण संस्थानों, कौशल संस्थानों के विशेषज्ञों को एनईपी 2020 लागू करने में अंतर्दृष्टि, रणनीतियों, सफलता की कहानियों और सर्वोत्तम तौर-तरीकों पर चर्चा करने, विचार-विमर्श करने और बातें साझा करने के लिए एक मंच प्रदान करेगा।

ग्रामोदय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) भरत मिश्रा ने कहा...

'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020' से बदल रही शिक्षा की सूरत

ग्रामोदय विश्वविद्यालय ने पाठ्यक्रमों में किए बदलाव

चित्रकूट। महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. भरत मिश्रा भी इस अवसर पर अपने विश्वविद्यालय की गतिविधियों को नई दिल्ली में प्रदर्शित करेंगे। कुलपति प्रो. मिश्रा ने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय ने भी अपने पाठ्यक्रमों में कई बदलाव किये हैं। स्नातक ही नहीं, स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में भी राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रावधानों को लागू किया गया है।

उच्च शिक्षा पाठ्यक्रम में विषयों के चुनाव की सुविधा है, उचित प्रमाणीकरण के साथ विविध प्रवेश/निकास की अनुमति दी जा रही है और क्रेडिट के हस्तांतरण की सुविधा के लिए अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट की स्थापना भी की जा रही है। समानता के साथ प्रौद्योगिकी का भी अधिक उपयोग होगा। कुलपति ने कहा कि शिक्षा नीति में बदलाव नई सदी की जरूरत थी। एनईपी रोजगार योग्यता और कॅरियर उन्नति के लिए कौशल विकास के महत्व को पहचानता है। एनईपी के तहत भाषाई विविधता और समावेशी शिक्षा को बढ़ावा मिल रहा है। यह पहल सुनिश्चित करती है कि कौशल विकास और उद्यमिता ज्ञान बड़ी आबादी के लिए सुलभ हो पाया है। नई शिक्षा नीति में भाषा की बाधाओं को दूर किया गया है और पूरे देश में समग्र विकास को बढ़ावा दिया जा रहा है। कुलपति प्रो. भरत मिश्रा ने आगे कहा कि 21वीं सदी की आवश्यकताओं के अनुकूल व्यापक रूप से आधारित, लचीली, बहु-विषयक शिक्षा के माध्यम से भारत को एक जीवंत ज्ञान समाज और वैश्विक ज्ञान महाशक्ति में परिवर्तित करना, प्रत्येक छात्र की विशिष्ट क्षमताओं को सामने लाना, रटने वाली शिक्षा के बजाय आलोचनात्मक सोच को बढ़ावा देना, पढ़ाई के बजाय सीखने पर ध्यान केंद्रित करना और वैज्ञानिक स्वभाव को प्रोत्साहन देना जैसी विशेषताएं एनईपी 2020 मे शामिल हैं। हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने वर्ष 2047 तक भारत को ज्ञान राष्ट्र बनने की आकांक्षा और कल्पना की है। एनईपी 2020 के सफल कार्यान्वयन से ही यह संभव होगा।

शिक्षा मंत्रालय MINISTRY OF EDUCATION | G20 भारत 2023 INDIA | अखिल भारतीय शिक्षा समागम 2023 | Azadi Ka Amrit Mahotsav | MINISTRY OF SKILL DEVELOPMENT & ENTREPRENEURSHIP GOVERNMENT OF INDIA

महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय चित्रकूट, सतना, (म0प्र0)
Mahatma Gandhi Chitrakoot Gramodaya Vishwavidyalaya Chitrakoot Satna (M.P.)

एनईपी 2020 के परिप्रेक्ष्य में ग्रामोदय विवि का योगदान Role of Gramodaya University in the context of NEP 2020

- कौशल शिक्षा वि.वि. के स्थापनाकाल 1991 से ही प्रारंभ Skill Education introduced in the University since its inception in 1991.
- देश का प्रथम वि.वि. जिसने स्नातक पाठ्यक्रमों में अनिवार्य व्यावसायिक शिक्षा का समावेश 1992 में ही कर लिया था. First University in India to introduce compulsory vocational education in UG education.
- एड ऑन कोर्स की शुरूआत 2016 से Add on Courses started in 2016.
- तकनीकी संसाधन केन्द्र की शुरूआत 2000 में Technology Resource Centre started in 2000.
- कम्यूनिटी कॉलेज का प्रारंभ 2014 में Community College started in 2014.
- दीनदयाल उपाध्याय कौशल केन्द्र की स्थापना 2015 में Deendayal Upadhyay Kaushal Kendra DDUKK started in 2015.
- अनुसूचित जाति व जनजाति के उद्यमियों के लिये विशेष प्रकोष्ठ की स्थापना Special cell established for training of SC ST Entrepreneurs in 2022 (NSSH Cell, MSME aided)

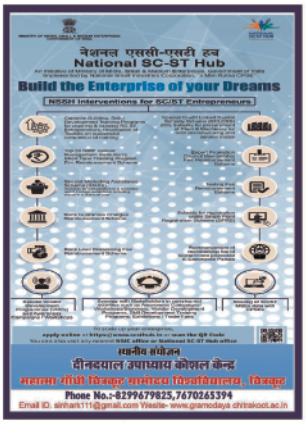

कौशल शिक्षा के विभिन्न स्तर (NSQF) आधारित Different levels of Skill Education (NSQF complied)

- 1–6 माह का प्रमाण पत्र Certificate Level 1-6 months
- 1 वर्षीय डिप्लोमा 1 Year Diploma
- 2 वर्षीय उच्च डिप्लोमा 2 Year Advanced Diploma
- 3 वर्षीय स्नातक व्यावसायिक (बी.वोक.) 3 Year Bechelor of Vocation (B.Voc.)
- 1 वर्षीय परास्नातक डिप्लोमा 1 Year PG Diploma
- 2 वर्षीय परास्नातक व्यावसायिक (एम.वोक.) 2 Year Master of Vocation (M.Voc.)

प्रत्येक स्तर पर बहुस्तरीय प्रवेश व निकास तथा क्षेत्रीय कौशल परिषदों से प्रमाणन
Multi entry and exit facility at all levels along with certification by SSCs

हमारे अभिनव प्रयास: कैम्प एंव कैम्पस Our Innovative approach: Camp and campus method

- विद्यार्थियों के लिए पढ़ाई के साथ कमाई का अवसर Earn while learn opportunity to students
- कौशल शिक्षा ग्रामीणों के द्वार Skill education at the door steps of villagers
- रोजगार सृजन केन्द्र की स्थापना Establishment of Rojgar Srijan Kendra
- एम एस एम ई मंत्रालय प्रायोजित आजीविका व्यवसाय उद्यमिता केन्द्र स्थापित Establishment of MSME sponsored Livelihood Business Incubation Centre
- प्रशिक्षण उपरांत उद्यम स्थापना में तकनीकी मदद Technical assistance in establishing enterprises after training

श्री अन्न से समृद्धि Prosperity through Millets

बुन्देलखण्ड के परंपरागत खाद्यान्न Ethnic foods
Laata लाटा (महुआ, चना एवं अन्य श्री अन्न का मिश्रण) , Kaachi काची (श्री अन्न का स्वास्थ्य वर्धक प्रयोग)

नवाचार उत्पाद Innovative cuisines
Ragi Cake,Multi Millet Biscuits, Millets Halwa & Laddu,Millets Panjiri,Millets Mathari

गोद लिये गए गाँव में गतिविधियाँ Activities in the villages adopted by the University

सिकलसेल एनीमिया परीक्षण
स्वास्थ्य शिविर Health Camp– रक्तदान, स्वास्थ्य जागरूकता, स्वच्छता, परिवार कल्याण

कौशल शिक्षा से सशक्तीकरण Empowerment Through Skill Education

https://gramodayachitrakoot.ac.in | Student Help Desk-7670265394, | @ltcellmgcgv | MGCGV Chitrakoot

शिक्षा मंत्रालय MINISTRY OF EDUCATION | G20 भारत 2023 INDIA | अखिल भारतीय शिक्षा समागम 2023 | Azadi Ka Amrit Mahotsav | MINISTRY OF SKILL DEVELOPMENT & ENTREPRENEURSHIP GOVERNMENT OF INDIA

महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय चित्रकूट, सतना, (म0प्र0)
Mahatma Gandhi Chitrakoot Gramodaya Vishwavidyalaya Chitrakoot Satna (M.P.)

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को अंगीकृत कर
मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्त्व क्षमता विकास कार्यक्रम के अंतर्गत
म.प्र. जन अभियान परिषद् के सहयोग से सामुदायिक नेतृत्व एवं सतत विकास पर संचालित पाठ्यक्रम

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के सुसंगत प्रावधानों को अंगीकृत करने वाला बी.एस.डब्ल्यू. तथा एम.एस. डब्ल्यू. (सामुदायिक नेतृत्व एवं सतत विकास) पाठ्यक्रम।

Adopting National Education Policy 2020 : BSW and MSW (Community Leadership and Sustainable Development)

स्थानीय परिस्थितियों में सतत विकास लक्ष्यों को संबोधित करने वाला अभिनव पाठ्यक्रम।

The University is a pioneer in institutionalising the efforts to address the SDGs.

गांव को प्रयोगशाला मानकर स्थानीय परिस्थितियों में प्रभावी प्रशिक्षण की व्यवस्था तथा समुदायिक सहभागिता से संचालित पाठ्यक्रम।

Programme run through community engagement.

देश एवं प्रदेश की जन कल्याणकारी योजनाओं को आम जन तक पहुँचाने का प्रशिक्षण देने वाला पाठ्यक्रम।

A course to train students to deliver the government schemes among unreached people.

मध्यप्रदेश के समस्त 10 संभाग, 52 जिले तथा 313 विकासखण्डों में उच्च शिक्षा का अवसर उपलब्ध कराने वाला पाठ्यक्रम।

A course providing opportunity of higher education in all 10 divisions, 52 districts and 313 blocks of entire Madhya Pradesh.

पाठ्यक्रम के लिए एक डेडिकेटेड पोर्टल विकसित किया गया है तथा सी.एम.सी.एल.डी.पी. विद्यार्थियों को ऐप के माध्यम से निर्देश एवं शिक्षण सामग्री उपलब्ध कराई जाती है। तकनीक का प्रभावी उपयोग इस पाठ्यक्रम की महत्वपूर्ण विशेषता है।

A dedicated portal has been developed for the course and learning materials are made available through the LMS and CMCLDP Student App. Effective use of technology is an important feature of this course.

सी.एम.सी.एल.डी.पी. छात्रों द्वारा "नमामि देवि नर्मदे" नर्मदा सेवा यात्रा के दौरान मुख्य यात्रा, उपयात्राओं के आयोजन एवं अन्य व्यवस्थाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई गयी

https://gramodayachitrakoot.ac.in | Student Help Desk-7670265394, | @itcellmgcgv | MGCGV Chitrakoot

महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय चित्रकूट, सतना, (म0प्र0)
Mahatma Gandhi Chitrakoot Gramodaya Vishwavidyalaya Chitrakoot Satna (M.P.)

ग्रामोदय से राष्ट्रोदय

National Development Through Rural Upliftment

महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय की स्थापना महाशिवरात्रि, 12 फरवरी, 1991 को मध्यप्रदेश शासन के अधिनियम 9, 1991 के द्वारा की गई है। यह विश्वविद्यालय भारत रत्न नानाजी देशमुख के शैक्षिक चिंतन और संकल्पों की जीवंत अभिव्यक्ति है। विश्वविद्यालय का बोधवाक्य है–

"विश्वं ग्रामे प्रतिष्ठितम्"

"Mahatma Gandhi Chitrakoot Gramodaya Vishwavidyalaya, Chitrakoot is a living memorial of Educational vision of Bharat ratna Nanaji Deshmukh"

मूल्य एवं सामाजिक उत्तरदायित्व (Values and Social Responsibilities) पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय की समग्र शिक्षा का अनिवार्य तत्व है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति : 2020 को ग्रामोदय विश्वविद्यालय अंगीकृत कर तदनुरूप पाठ्यक्रमों का संचालन कर रहा है।

NEP 2020 incorporated in all the academic programmes of the University

विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अन्तर्गत इंटीग्रेटेड बी.एड. (बी.ए.बी.एड.,बी.कॉम.बी.एड., बी.एस–सी.बी.एड.) पाठ्यक्रम के संचालन के लिये देश के प्रतिष्ठित संस्थानों में चयनित किया गया है,। This University is among a few Institutions in the country priviledged to offer Integrated B.Ed. Programmes.

विविध माध्यमों से संचालित पाठ्यक्रम

- परिसर में संचालित नियमित पाठ्यक्रम (On Campus regular Programme)
- दीनदयाल उपाध्याय कौशल केन्द्र (Deen Dayal Upadhyay Kaushal Kendra)
- दूरवर्ती अध्ययन एवं सतत शिक्षा केन्द्र (Centre for Distance Learning and Continuing Edu.)
- मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम (Chief Minister Community Leadership Dev. Program
- ग्रामोदय सामुदायिक महाविद्यालय योजना (Gramodaya Community College Scheme)

प्रकाशक : कुलसचिव, महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय, चित्रकूट, सतना, मध्य प्रदेश। संपादक : डॉ. जयप्रकाश शुक्ल।